



VAJIRAO & REDDY INSTITUTE

India's Top Potential Training Institute for IAS

+918988885050



+918988886060

www.vajiraoinstitute.com



info@vajiraoinstitute.com

TODAY'S ANALYSIS

(आज का विश्लेषण)

(24 January 2025)

Sources:

The Hindu, The Indian Express, The Economics Times & PIB

Important News:

- 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' योजना का दशकीय मूल्यांकन
- DRDO का स्क्रेमजेट परीक्षण और भारत की हाइपरसोनिक हथियारों की दौड़
- उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीशों की 'तदर्थ' न्यायाधीशों के रूप में नियुक्त का मामला
- MCQ

ADDRESS:

19/1A Shakti Nagar, Nagiya Park Near Delhi University, New Delhi - 110007 (India)



VAJIRAO & REDDY INSTITUTE

India's Top Potential Training Institute for IAS

+918988885050

+918988886060

www.vajiraoinstitute.com

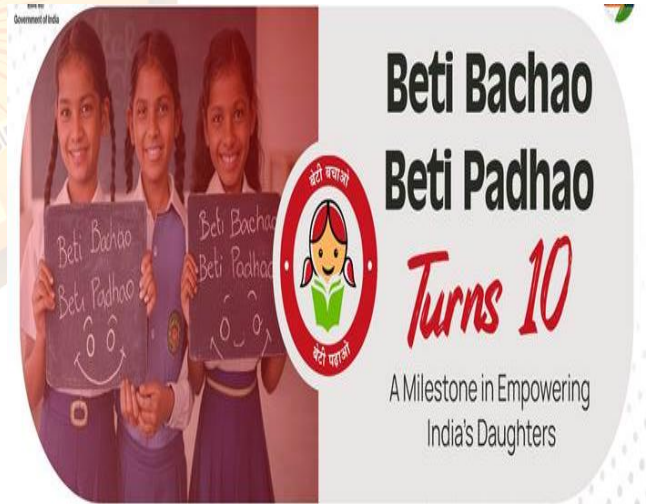
info@vajiraoinstitute.com

‘बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ’ योजना का दशकीय मूल्यांकन:

चर्चा में क्यों है?

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 22 जनवरी को "बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ" योजना के 10 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह एक जन-संचालित पहल बन गई है, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों के लोग भाग ले रहे हैं।

- प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि "बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ" अभियान लैंगिक भेदभाव को दूर करने में सहायक रहा है और साथ ही इसने यह सुनिश्चित करने के लिए सही माहौल तैयार किया है कि बालिकाओं को



शिक्षा और अपने सपनों को हासिल करने के अवसर मिलें। “ऐतिहासिक रूप से कम बाल लिंगानुपात की समस्या” को देखते हुए प्रधानमंत्री ने लोगों और विभिन्न सामुदायिक संगठनों द्वारा किए गए प्रयासों के प्रति आभार व्यक्त किया।

ADDRESS:

19/1A Shakti Nagar, Nagiya Park Near Delhi University, New Delhi - 110007 (India)



‘बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ’ योजना की सफलता का एक दशक:

- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 22 जनवरी, 2015 को हरियाणा के पानीपत में शुरू की गई बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना कार्यान्वयन का एक दशक पूरा कर रही है।
- **‘बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ’ कार्यक्रम के उद्देश्य:**
 - इसके उद्देश्यों में लैंगिकभेद युक्त लिंग चयन को रोकना और बालिकाओं के अस्तित्व, शिक्षा और सशक्तिकरण को सुनिश्चित करना शामिल था।
 - इसमें लड़कियों की पोषण स्थिति, स्कूलों में उनकी उपस्थिति, स्कूलों में पर्याप्त बुनियादी ढांचे का प्रावधान आदि से संबंधित कई लक्ष्य निर्धारित किए गए थे।
 - क्लीनिकों में गर्भावस्था का अवैध पता लगाने और अन्य उपायों को रोकने के लिए प्रचार अभियान, निरीक्षण और छापे के माध्यम से ऐसा किया जाना था।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना की 10वीं वर्षगांठ:

- इस वर्ष, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना की 10वीं वर्षगांठ मना रहा है, जो भारत में बालिकाओं की सुरक्षा, शिक्षा और सशक्तिकरण के लिए किए गए अथक प्रयासों के एक दशक का प्रतीक है। यह मील

ADDRESS:

19/1A Shakti Nagar, Nagiya Park Near Delhi University, New Delhi - 110007 (India)



का पत्थर भारत के विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण और महिला विकास से महिला-नेतृत्व वाले विकास की ओर वैश्विक बदलाव के अनुरूप है। यह योजना अब मिशन शक्ति के साथ एकीकृत हो गई है।

मिशन शक्ति:

- मिशन शक्ति के महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए एक व्यापक कार्यक्रम है, जिसे 15वें वित्त आयोग की अवधि 2021-2022 से 2025-2026 के दौरान लागू किया जाएगा। मिशन शक्ति में दो व्यापक उप-योजनाएं शामिल हैं।

संबल : सुरक्षा एवं संरक्षा

- मिशन शक्ति की संबल उप-योजना वन स्टॉप सेंटर, महिला हेल्पलाइन (181) और बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के माध्यम से महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करती है। यह नारी अदालत की भी शुरुआत करता है, जो उत्पीड़न एवं अधिकारों से जुड़े छोटे मसलों के लिए एक वैकल्पिक शिकायत निवारण तंत्र प्रदान करता है।

सामर्थ्य:

- सामर्थ्य उप-योजना **शक्ति सदनों**, राहत और पुनर्वास गृहों, **सखी निवासों** के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाती है, जो शहरों में कामकाजी महिलाओं के

ADDRESS:

19/1A Shakti Nagar, Nagiya Park Near Delhi University, New Delhi - 110007 (India)



VAJIRAO & REDDY INSTITUTE

India's Top Potential Training Institute for IAS

+918988885050

+918988886060



www.vajiraoinstitute.com

info@vajiraoinstitute.com



लिए रहने के लिए सुरक्षित और संरक्षित स्थान प्रदान करते हैं, और **पालना-क्रेच** कामकाजी महिलाओं के बच्चों के लिए सुरक्षित और संरक्षित स्थान प्रदान करते हैं।

- **प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना** अब दूसरी संतान होने पर सहायता करती है, अगर वह लड़की है, जिससे मातृ स्वास्थ्य में सुधार होता है।
- **संकल्प (महिला सशक्तिकरण केंद्र)**, जिले में काम करता है और सभी महिलाओं को केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ उठाने के लिए एकल खिड़की अंतर-क्षेत्रीय अभिसरण तंत्र के रूप में कार्य करता है।

‘बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ’ योजना का मूल्यांकन:

जन्म के समय लिंगानुपात में सुधार:

- बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना का पहला और सबसे महत्वपूर्ण लक्ष्य प्रत्येक वर्ष 2 अंकों से चुनिंदा महत्वपूर्ण जिलों में जन्म के समय लिंगानुपात में सुधार करना था।
- जबकि जिला-स्तरीय जन्म के समय लिंग अनुपात डेटा सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध



ADDRESS:

19/1A Shakti Nagar, Nagiya Park Near Delhi University, New Delhi - 110007 (India)



नहीं है, 2023-24 के आर्थिक सर्वेक्षण ने स्वास्थ्य प्रबंधन सूचना प्रणाली (HMIS) के डेटा का हवाला देते हुए उल्लेख किया कि जन्म के समय राष्ट्रीय लिंगानुपात 918 (2014-15) से बढ़कर 930 (2023-24, अनंतिम) हो गया है।

पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्यु दर में लैंगिक अंतर कम हुआ:

- उल्लेखनीय है कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना का दूसरा लक्ष्य पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्यु दर में लैंगिक अंतर को कम करना था।
- इस कार्यक्रम के शुरू होने से ठीक पहले 2014 में, राष्ट्रीय स्तर पर पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्यु दर लड़कियों के लिए 49 और लड़कों के लिए 42 थी - यानी लैंगिक अंतर 7 अंक था, और लक्ष्य इसे हर साल 1.5 अंक कम करना था। 2020 तक यह अंतर 2 अंक (लड़कियों के लिए 33 और लड़कों के लिए 31) हो गया। हालांकि, विभिन्न राज्यों में प्रगति अलग-अलग है।

संस्थागत जन्मों में वृद्धि:

- बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना का तीसरा लक्ष्य संस्थागत प्रसवों में प्रति वर्ष कम से कम 1.5 प्रतिशत की वृद्धि करना था। आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले कुछ वर्षों में संस्थागत प्रसवों का अनुपात बढ़ा है।

ADDRESS:

19/1A Shakti Nagar, Nagiya Park Near Delhi University, New Delhi - 110007 (India)



- संस्थागत प्रसव 2014-15 में 61% से बढ़कर 2023-24 तक 97.3% से अधिक हो जाएगा, जिससे कई क्षेत्रों में माताओं और शिशुओं के लिए सुरक्षित प्रसव सुनिश्चित होगा, जो मातृ और शिशु मृत्यु दर को कम करने के लिए आवश्यक है।

पहली तिमाही में प्रसवपूर्व जांच में वृद्धि:

- बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना में पहली तिमाही में प्रसवपूर्व जांच (ANC) में प्रतिवर्ष न्यूनतम 1% की वृद्धि की परिकल्पना की गई है। मातृ मृत्यु दर में कमी लाने के लिए यह आवश्यक है।
- 2015-16 (NFHS-4) में केवल 58.6 प्रतिशत माताओं ने पहली तिमाही में प्रसवपूर्व जांच कराई थी। हालांकि, तब से यह आंकड़ा राष्ट्रीय स्तर पर बढ़कर, 2019-21 (NFHS-5) के दौरान पहली तिमाही में 70 प्रतिशत माताओं ने प्रसवपूर्व जांच कराई।

माध्यमिक शिक्षा में लड़कियों का नामांकन बढ़ा:

- माध्यमिक शिक्षा में लड़कियों के नामांकन में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है, लड़कियों के लिए सकल नामांकन अनुपात (GER) 2014-15 में 75.51% से बढ़कर 2023-24 में 78% हो गया है। यह BBBP के शैक्षिक हस्तक्षेपों के सकारात्मक प्रभाव को दर्शाता है।

ADDRESS:

19/1A Shakti Nagar, Nagiya Park Near Delhi University, New Delhi - 110007 (India)



DRDO का स्क्रीमजेट परीक्षण और भारत की हाइपरसोनिक हथियारों की दौड़:

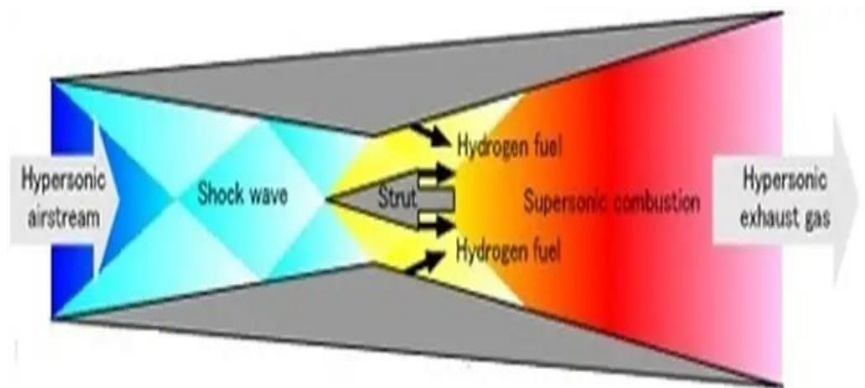
चर्चा में क्यों है?

- रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) ने हाल ही में भारत में पहली बार 120 सेकंड के लिए स्क्रीमजेट कॉम्बस्टर ग्राउंड टेस्ट का प्रदर्शन किया। रक्षा मंत्रालय (MoD) ने इसे अगली पीढ़ी की हाइपरसोनिक मिसाइलों के विकास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया है।
- उल्लेखनीय है कि हाइपरसोनिक मिसाइलें उन्नत हथियारों का एक वर्ग है जो 'मैक 5' - ध्वनि की गति से पांच गुना अधिक- से अधिक गति से यात्रा करते हैं।



रैमजेट और स्क्रीमजेट इंजन क्या होता है?

- रैमजेट वायु-श्वसन जेट इंजन होते हैं जो बिना किसी घूमने वाले कंप्रेसर के इंजन में दहन के लिए आने वाली वायु को संपीड़ित



ADDRESS:

19/1A Shakti Nagar, Nagiya Park Near Delhi University, New Delhi - 110007 (India)



करने के लिए वाहन की आगे की गति का उपयोग करते हैं। ईंधन को दहन कक्ष में इंजेक्ट किया जाता है जहां यह गर्म संपीड़ित हवा के साथ मिलकर प्रज्वलित होता है। रैमजेट-संचालित वाहन को गति बढ़ाने के लिए रॉकेट असिस्ट जैसे सहायक टेक-ऑफ की आवश्यकता होती है जहाँ यह थ्रस्ट पैदा करना शुरू कर देता है।

- रैमजेट मैक 3 के आसपास सुपरसोनिक गति पर सबसे अधिक कुशलता से काम करते हैं। हालांकि, वाहन के हाइपरसोनिक गति (मैक 5) से ऊपर पहुंचने पर रैमजेट दक्षता कम हो जाती है।
- यही वह जगह है जहाँ सुपरसोनिक दहन रैमजेट या 'स्क्रेमजेट' इंजन काम आता है। यह कुशलता से हाइपरसोनिक गति से संचालित होता है और सुपरसोनिक दहन की अनुमति देता है।
- स्क्रेमजेट में मूलभूत परिवर्तन यह है कि इसके दहन कक्ष में हवा धीमी नहीं होती है बल्कि पूरे इंजन में सुपरसोनिक रहती है। यह स्क्रेमजेट के डिजाइन, विकास और संचालन को और अधिक चुनौतीपूर्ण बनाता है।

120 सेकंड का स्क्रेमजेट ग्राउंड परीक्षण:

- नवीनतम 120 सेकंड का स्क्रेमजेट ग्राउंड परीक्षण DRDO की हैदराबाद स्थित सुविधा DRDL द्वारा किए गए व्यापक कार्य का परिणाम है। यह सुविधा एक लंबी

ADDRESS:

19/1A Shakti Nagar, Nagiya Park Near Delhi University, New Delhi - 110007 (India)



अवधि के सुपरसोनिक दहन रैमजेट या स्क्रेमजेट-संचालित हाइपरसोनिक तकनीक विकसित करने की दिशा में काम कर रही है।

- DRDL ने भारत में पहली बार 120 सेकंड के लिए एक्टिव कूल्ड स्क्रेमजेट कॉम्बस्टर का सफल ग्राउंड परीक्षण किया, जिससे एक बड़ी उपलब्धि हासिल हुई। स्क्रेमजेट कॉम्बस्टर के ग्राउंड परीक्षण ने कई उल्लेखनीय उपलब्धियों को प्रदर्शित किया, जिसमें सफल प्रज्वलन और स्थिर दहन जैसे हाइपरसोनिक वाहनों में परिचालन उपयोग के लिए इसकी क्षमता का प्रदर्शन किया गया।
- हाइपरसोनिक प्रौद्योगिकियों के विकास के बीच एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि थर्मल बैरियर कोटिंग (TBC) का विकास है जिसे हाइपरसोनिक उड़ान के दौरान आने वाले अत्यधिक तापमान का सामना करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। उच्च तापीय प्रतिरोध के साथ एक नया उन्नत सिरेमिक TBC, DRDL और विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (DST) द्वारा संयुक्त रूप से विकसित किया गया है।

भारत में हाइपरसोनिक प्रौद्योगिकियों का विकास:

- DRDO, इसरो और शिक्षा जगत तथा उद्योग जगत में उनके साझेदार पिछले दो दशकों से हाइपरसोनिक इंजन तथा हाइपरसोनिक प्रणालियों के लिए आवश्यक अन्य प्रौद्योगिकियों पर काम कर रहे हैं।

ADDRESS:

19/1A Shakti Nagar, Nagiya Park Near Delhi University, New Delhi - 110007 (India)



VAJIRAO & REDDY INSTITUTE

India's Top Potential Training Institute for IAS

+918988885050

+918988886060



www.vajiraoinstitute.com

info@vajiraoinstitute.com



इसरो के तहत हाइपरसोनिक प्रौद्योगिकियों का विकास:

- इसरो के एयर ब्रीदिंग प्रोपल्शन प्रोजेक्ट में एक महत्वपूर्ण विकास 28 अगस्त, 2016 को हुआ, जब इसके स्क्रेमजेट का सफल उड़ान परीक्षण किया गया। 22 जुलाई, 2024 को एयर ब्रीदिंग प्रोपल्शन तकनीक के प्रदर्शन के लिए एक और प्रायोगिक उड़ान की गयी।
- इसरो का ध्यान अब 'हाइपरसोनिक एयर ब्रीदिंग व्हीकल विद एयर इंटीग्रेशन सिस्टम (HAVA)' परियोजना और महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों के विकास पर है।
- इसरो अपने भविष्य के वाहनों के लिए स्क्रेमजेट तकनीक का उपयोग करने की भी योजना बना रहा है, क्योंकि स्क्रेमजेट इंजनों को ऑक्सीडाइज के रूप में ऑक्सीजन ले जाने की आवश्यकता नहीं होती है।

DRDO के तहत हाइपरसोनिक प्रौद्योगिकियों का विकास:

- DRDO ने 2000 के दशक की शुरुआत में हाइपरसोनिक इंजन और उससे संबंधित प्रणालियों को विकसित करना शुरू किया था। 7 सितंबर, 2020 को, DRDO ने ओडिशा के तट से दूर व्हीलर द्वीप पर डॉ एपीजे अब्दुल कलाम लॉन्च कॉम्प्लेक्स से 'हाइपरसोनिक प्रौद्योगिकी प्रदर्शन वाहन (HSTDV)' की उड़ान परीक्षण के साथ हाइपरसोनिक एयर-ब्रीदिंग स्क्रेमजेट तकनीक का सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया।

ADDRESS:

19/1A Shakti Nagar, Nagiya Park Near Delhi University, New Delhi - 110007 (India)



- दिसंबर 2020 में, DRDO ने हैदराबाद में उन्नत हाइपरसोनिक विंड टनल (HWT) परीक्षण सुविधा का उद्घाटन किया, जो मैक 5 से 12 की गति का अनुकरण कर सकती है। अमेरिका और रूस के बाद, आकार और संचालन क्षमता में इतनी बड़ी सुविधा रखने वाला भारत तीसरा देश बन गया।

शिक्षा जगत के तहत हाइपरसोनिक प्रौद्योगिकियों का विकास:

- फरवरी 2024 में, भारत की पहली हाइपरवेलोसिटी एक्सपेंशन टनल टेस्ट सुविधा को IIT, कानपुर द्वारा सफलतापूर्वक स्थापित और परीक्षण किया गया। इस उपलब्धि ने भारत को इस उन्नत हाइपरसोनिक परीक्षण क्षमता वाले मुट्ठी भर देशों में शामिल कर दिया।

हाइपरसोनिक हथियारों का रणनीतिक महत्व:

- हाइपरसोनिक हथियारों में दुनिया भर की प्रमुख सैन्य शक्तियों की मौजूदा वायु रक्षा प्रणालियों को मात देने की क्षमता है, और वे उच्च प्रभाव वाले हमले कर सकते हैं।
- अमेरिका, रूस, भारत और चीन सहित कई देश सक्रिय रूप से हाइपरसोनिक तकनीक का अनुसरण कर रहे हैं और उन्होंने विकास के विभिन्न स्तरों का प्रदर्शन किया है।
- हाइपरसोनिक क्षेत्र में दौड़ का कारण यह है कि वे सशस्त्र बलों की सबसे उन्नत मिसाइल रक्षा प्रणालियों से निपटने और न्यूनतम चेतावनी के साथ लक्ष्यों को भेदने की क्षमता को बढ़ाते हैं।

ADDRESS:

19/1A Shakti Nagar, Nagiya Park Near Delhi University, New Delhi - 110007 (India)



उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीशों की 'तदर्थ' न्यायाधीशों के रूप में नियुक्त का मामला:

चर्चा में क्यों है?

- 21 जनवरी को, सुप्रीम कोर्ट ने कई उच्च न्यायालयों के समक्ष लंबित आपराधिक मामलों के बढ़ते बैकलॉग को संबोधित करने के लिए अस्थायी रूप से सेवानिवृत्त न्यायाधीशों को तदर्थ आधार पर नियुक्त करने का सुझाव दिया।
- उल्लेखनीय है कि भारतीय संविधान का अनुच्छेद 224A उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को भारत के राष्ट्रपति की अनुमति से सेवानिवृत्त उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों से फिर से न्यायाधीश के कर्तव्यों का पालन करने का अनुरोध करने की अनुमति देता है। हालांकि इसे शायद ही कभी लागू किया गया हो, और SC ने पहले भी इस प्रथा पर विचार किया है।
- सुप्रीम कोर्ट ने अपने 2021 के फैसले को भी संशोधित करने का भी सुझाव दिया, जिसमें कहा गया था कि तदर्थ न्यायाधीशों की नियुक्तियां केवल कुछ विशेष स्थितियों में ही की जा सकती हैं।



ADDRESS:

19/1A Shakti Nagar, Nagiya Park Near Delhi University, New Delhi - 110007 (India)



तदर्थ न्यायाधीशों की नियुक्ति का संवैधानिक प्रावधान:

- अनुच्छेद 224A, जिसका शीर्षक है “उच्च न्यायालयों में सेवानिवृत्त न्यायाधीशों की नियुक्ति”, में कहा गया है: “किसी भी राज्य के उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश किसी भी समय राष्ट्रपति की पूर्व सहमति से, उस न्यायालय या किसी अन्य उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश को उस राज्य के उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में बैठने और कार्य करने का अनुरोध कर सकता है”।
- ऐसे नियुक्त व्यक्ति राष्ट्रपति के आदेश द्वारा निर्धारित भत्तों के हकदार होते हैं और उन्हें उस उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के सभी अधिकार, शक्तियाँ और विशेषाधिकार प्राप्त होते हैं। इसके अलावा, सेवानिवृत्त न्यायाधीश और भारत के राष्ट्रपति दोनों को नियुक्ति के लिए सहमति देना आवश्यक है।

तदर्थ न्यायाधीश की नियुक्ति को लेकर SC के दिशा-निर्देश:

- लोक प्रहरी मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने न्यायालयों में लंबित मामलों और उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों के पदों में रिक्तियों को संबोधित करने के उपायों पर विचार करते हुए, विभिन्न विधि आयोग के सुझावों, जिसमें सेवानिवृत्त न्यायाधीशों को अस्थायी रूप से नियुक्त करना मामलों के बढ़ते बैकलॉग से निपटने का एक व्यवहार्य समाधान है, से सहमति व्यक्त की, लेकिन उसने चिंता व्यक्त की कि

ADDRESS:

19/1A Shakti Nagar, Nagiya Park Near Delhi University, New Delhi - 110007 (India)



अनुच्छेद 224A का अधिक प्रयोग नियमित न्यायाधीश नियुक्तियों के लिए "सिफारिशें करने में निष्क्रियता" को बढ़ावा देगा।

- ऐसे में सर्वोच्च न्यायालय ने अनुच्छेद 224A के तहत नियुक्ति प्रक्रिया कब शुरू की जा सकती है, इस पर निर्देश पारित किए।

लोक प्रहरी मामले में सर्वोच्च न्यायालय के दिशा-निर्देश:

- तदर्थ न्यायाधीशों की नियुक्ति केवल तभी की जा सकती है जब 20% से कम रिक्तियों के लिए सिफारिशें नहीं की गई हों। ऐसा इसलिए है ताकि अनुच्छेद 224A का सहारा केवल तभी लिया जा सके जब नियमित रिक्तियों को भरने और उनकी नियुक्ति की प्रतीक्षा करने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी हो।
- अनुच्छेद 224A के तहत न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए एक "ट्रिगर पॉइंट" होना चाहिए, जैसे कि अगर HC में स्वीकृत संख्या के 20% से ज्यादा पद खाली हैं और अगर लंबित मामलों का 10% से ज्यादा बैकलॉग 5 साल से ज्यादा पुराना है।
- इसने आगे सुझाव दिया कि प्रत्येक मुख्य न्यायाधीश को संभावित तदर्थ नियुक्तियों के लिए सेवानिवृत्त और जल्द ही सेवानिवृत्त होने वाले न्यायाधीशों का एक "पैनल" बनाना चाहिए। ऐसे न्यायाधीशों को आम तौर पर 2-3 साल के लिए नियुक्त किया जाना चाहिए।
- इन निर्देशों की "समय-समय पर समीक्षा" की जानी चाहिए।

ADDRESS:

19/1A Shakti Nagar, Nagiya Park Near Delhi University, New Delhi - 110007 (India)



VAJIRAO & REDDY INSTITUTE

India's Top Potential Training Institute for IAS

+918988885050

+918988886060



www.vajiraoinstitute.com

info@vajiraoinstitute.com



अतीत में कब-कब तदर्थ न्यायाधीश नियुक्त किए गए हैं?

- 2021 में, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अनुच्छेद 224A के तहत तदर्थ न्यायाधीशों की नियुक्ति के केवल तीन रिकॉर्ड किए गए उदाहरण हैं। इनमें शामिल हैं:
 - 1972 में चुनाव याचिकाओं की सुनवाई के लिए एक साल के लिए मध्य प्रदेश HC में जस्टिस सूरज भान की नियुक्ति;
 - 1982 में मद्रास HC में जस्टिस पी. वेणुगोपाल की नियुक्ति;
 - 2007 में अयोध्या टाइटल सूट की सुनवाई के लिए इलाहाबाद HC में जस्टिस ओपी श्रीवास्तव की नियुक्ति।
- 2021 के फैसले के बाद से तदर्थ न्यायाधीशों की नियुक्ति का कोई रिकॉर्ड नहीं है।

ADDRESS:

19/1A Shakti Nagar, Nagiya Park Near Delhi University, New Delhi - 110007 (India)



MCQ

Q.1. चर्चा में रहे 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' योजना के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह योजना 22 जनवरी, 2015 को हरियाणा के पानीपत में शुरू हुई थी।
2. इस योजना के दस वर्ष पूरे होने के साथ इसकी समाप्ति की घोषणा की गयी है।

उपर्युक्त दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (a)

Q.2. आर्थिक सर्वेक्षण 2023-24 के अनुसार जन्म के समय राष्ट्रीय लिंगानुपात 2014-15 के आंकड़ों से 12 अंक बढ़कर कितना हो गया है?

- (a) 922
- (b) 930
- (c) 942
- (d) 965

Ans. (b)

ADDRESS:

19/1A Shakti Nagar, Nagiya Park Near Delhi University, New Delhi - 110007 (India)



Q.3. हाल ही में चर्चा में रहे 'रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला (DRDL)' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. इसके द्वारा एक लंबी अवधि के स्क्रेमजेट-संचालित हाइपरसोनिक तकनीक विकसित करने की दिशा में काम किया जा रहा है।
2. इसने भारत में पहली बार 120 सेकंड के लिए स्क्रेमजेट इंजन का सफल ग्राउंड परीक्षण किया है।

उपर्युक्त दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

Ans. (c)

Q.4. फरवरी 2024 में, भारत की पहली 'हाइपरवेलोसिटी एक्सपेंशन टनल टेस्ट सुविधा' को निम्नलिखित किस संस्था में सफलतापूर्वक स्थापित और परीक्षण किया गया है?

- (a) DRDL, हैदराबाद में
- (b) IISC बेंगलुरु में
- (c) IIT, मद्रास में
- (d) IIT, कानपुर में

Ans. (d)

ADDRESS:

19/1A Shakti Nagar, Nagiya Park Near Delhi University, New Delhi - 110007 (India)



Q.5. चर्चा में रहे उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीशों की 'तदर्थ' न्यायाधीशों के रूप में नियुक्त से जुड़े मामलों में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. संविधान का अनुच्छेद 224A भारत के मुख्य न्यायाधीश को राष्ट्रपति की अनुमति से उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीशों को किसी उच्च न्यायालय में 'तदर्थ' न्यायाधीश के रूप में नियुक्त करने की स्वीकृति देता है।
2. 'तदर्थ' न्यायाधीश के रूप में नियुक्त ऐसे व्यक्ति को उस उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के सभी अधिकार, शक्तियां और विशेषाधिकार प्राप्त होते हैं।

उपर्युक्त दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (b)